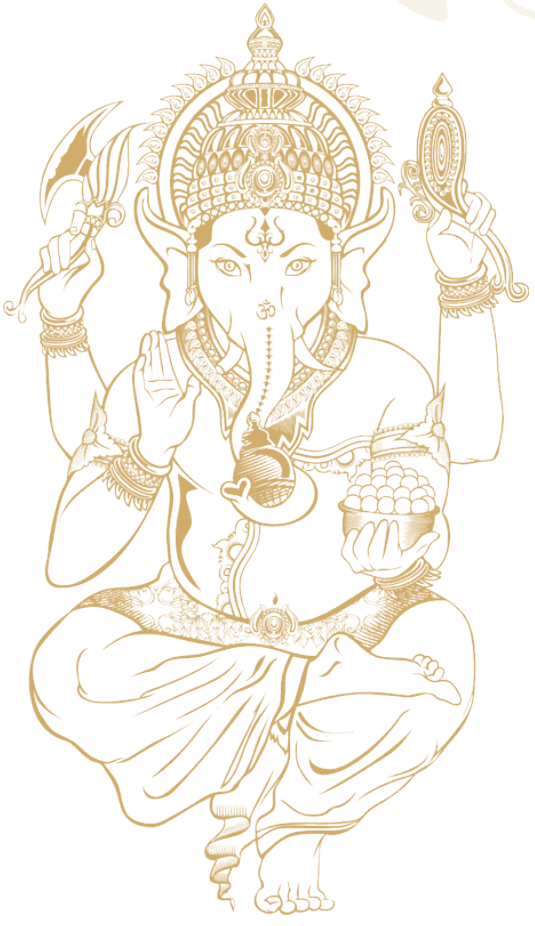

Rohit Mathur

18 Oct 1990

07:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121122403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/10/1990**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:40:00 घंटे**
इष्ट	03:10:48 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:18:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:46 घंटे
साम्पातिक काल	09:04:06 घंटे
सूर्योदय	06:23:40 घंटे
सूर्यास्त	17:48:48 घंटे
दिनमान	11:25:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:42:45 तुला
लग्न के अंश	16:22:47 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:22:47	309:01:18	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	00:42:45	00:59:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			कन्या	24:21:28	12:22:56	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृष	20:46:38	00:02:22	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	कन्या	27:51:10	01:42:48	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु			कर्क	17:00:50	00:07:29	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र		अ	कन्या	26:59:03	01:15:07	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि			धनु	25:28:51	00:02:26	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु	व		मक	10:00:09	00:13:19	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	10:00:09	00:13:19	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	12:20:17	00:01:40	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:13:43	00:00:48	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	23:03:10	00:02:17	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			कर्क	19:49:52	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:55

लग्न-चलित

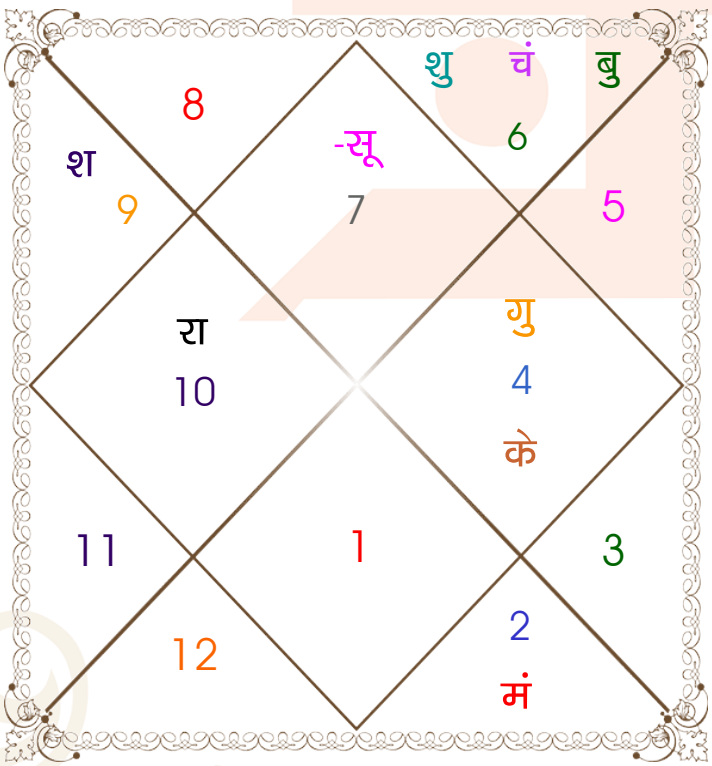

चन्द्र कुंडली

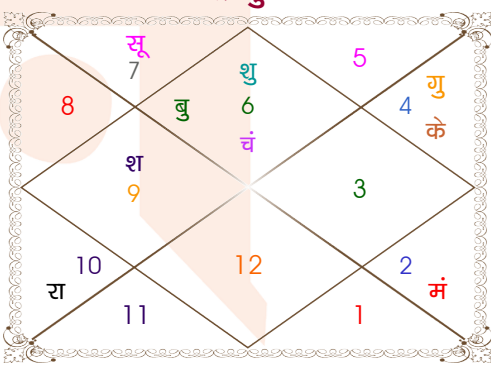

नवमांश कुंडली

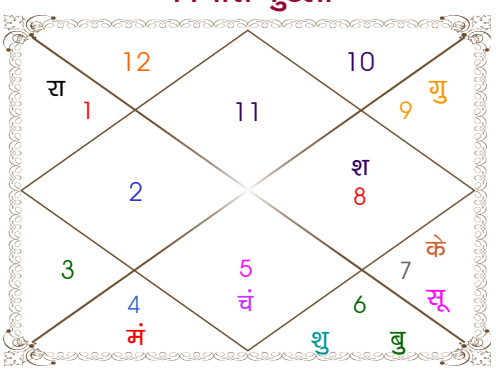

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 5 मास 16 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/10/1990		04/04/1997		05/04/2015		05/04/2031		04/04/2050	
04/04/1997		05/04/2015		05/04/2031		04/04/2050		05/04/2067	
	18/10/1990	राहु	16/12/1999	गुरु	23/05/2017	शनि	07/04/2034	बुध	31/08/2052
राहु	19/09/1991	गुरु	11/05/2002	शनि	04/12/2019	बुध	16/12/2036	केतु	28/08/2053
गुरु	25/08/1992	शनि	17/03/2005	बुध	11/03/2022	केतु	24/01/2038	शुक्र	28/06/2056
शनि	04/10/1993	बुध	04/10/2007	केतु	15/02/2023	शुक्र	26/03/2041	सूर्य	05/05/2057
बुध	01/10/1994	केतु	22/10/2008	शुक्र	16/10/2025	सूर्य	08/03/2042	चंद्र	04/10/2058
केतु	27/02/1995	शुक्र	23/10/2011	सूर्य	04/08/2026	चंद्र	07/10/2043	मंगल	01/10/2059
शुक्र	28/04/1996	सूर्य	15/09/2012	चंद्र	04/12/2027	मंगल	15/11/2044	राहु	20/04/2062
सूर्य	03/09/1996	चंद्र	17/03/2014	मंगल	09/11/2028	राहु	22/09/2047	गुरु	25/07/2064
चंद्र	04/04/1997	मंगल	05/04/2015	राहु	05/04/2031	गुरु	04/04/2050	शनि	05/04/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/04/2067		04/04/2074		04/04/2094		05/04/2100		05/04/2110	
04/04/2074		04/04/2094		05/04/2100		05/04/2110		00/00/0000	
केतु	01/09/2067	शुक्र	04/08/2077	सूर्य	23/07/2094	चंद्र	03/02/2101	मंगल	02/09/2110
शुक्र	31/10/2068	सूर्य	04/08/2078	चंद्र	22/01/2095	मंगल	04/09/2101	राहु	19/10/2110
सूर्य	08/03/2069	चंद्र	04/04/2080	मंगल	29/05/2095	राहु	06/03/2103		00/00/0000
चंद्र	07/10/2069	मंगल	04/06/2081	राहु	22/04/2096	गुरु	05/07/2104		00/00/0000
मंगल	05/03/2070	राहु	04/06/2084	गुरु	08/02/2097	शनि	03/02/2106		00/00/0000
राहु	23/03/2071	गुरु	03/02/2087	शनि	21/01/2098	बुध	06/07/2107		00/00/0000
गुरु	27/02/2072	शनि	04/04/2090	बुध	28/11/2098	केतु	04/02/2108		00/00/0000
शनि	07/04/2073	बुध	02/02/2093	केतु	05/04/2099	शुक्र	05/10/2109		00/00/0000
बुध	04/04/2074	केतु	04/04/2094	शुक्र	05/04/2100	सूर्य	05/04/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।